OM-8- 2021 FINAL FILE_Page 1 and 2 28/06/2021 11:25 AM Page 4

उदगीर-महा.। विश्व पर्यावरण दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ के सद्भावना भवन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में आने पर पर्यावरण एवं जल आपूर्ति राज्य मंत्री संजय बाबूराव बंसोडे को ईश्वरीय सौगात भेंट कर उनका स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. महानंदा दीदी। कार्यक्रम में राज्य महासचिव एन.सी.पी. बसवराज पाटिल नागरलकर, रमेश अंबरखाने,सामाजिक कार्यकर्ता सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

अगरतला-त्रिपुरा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ के ज्ञानोदय भवन रिट्रीट सेंटर पर ब्र.कु. कविता दीदी,प्रभारी,त्रिपुरा एवं बांग्लादेश के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के फूलों, फलों एवं औषधियों का पौधारोपण किया गया, जिसमें ब्र.कु. मनिका, ब्र.कु. ममानी, ब्र.कु. मणिदीपा, ब्र.कु. अशोक, ब्र.कु. विजय, ब्र.कु. सहदेव, ब्र.कु. सुमित, ब्र.कु. अभिजीत आदि भाई-बहनों ने भाग लिया।

जबलपुर-म.प्र.। विश्व पर्यावरण दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ गढ़ा के शिव दर्शन भवन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में ऑक्सीजन प्रवाहित करने वाले विभिन्न प्रकार का पौधारोपण किया गया, जिसमें ब्र.कु. भावना, ब्र.कु. पूजा, ब्र.कु. ज्योति, गढ़ा थाना के टी.आई. राजेन्द्र तिवारी, अशोक यादव, समाजसेवी एवं बिल्डर अभय जैन, शशि प्रभा चड्ढ़ा,स्टाफ नर्स, ब्र.कु. वीरेन्द्र सहित अन्य भाई-बहनों ने भाग लिया।

कोरबा-छ.ग.। विश्व पर्यावरण दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा तुलसीनगर,आध्यात्मिक ऊर्जा पार्क,गेरवाघाट में आयोजित कार्यक्रम में पौधारोपण करते हुए कोरबा जिला वन मण्डल अधिकारी प्रियंका पाण्डे, ब्र.कु. डॉ. देबनाथ,एम.डी., ब्र.कु. बिन्दू,कोरबा, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. रुक्मणि तथा अन्य।

अयोध्या-उ.प्र.। विश्व पर्यावरण दिवस पर नीम का पौधा लगाते हुए रेलवे स्टेशन अधीक्षक महेन्द्र नाथ मिश्रा, बाबरी मस्जिद अध्यक्ष इकबाल अंसारी, ब्रह्माकुमारीज़ की स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सुधा, ब्र.कु. उषा तथा अन्य।

अपने ओरिजनल स्वरूप को जान बनें शक्ति स्वरूप

- ब्र.कु. उषा,वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

आज के समय में हर कोई शांति पाने को क्या-क्या नहीं करता। आज व्यक्ति धन कमा रहा है कि वह शांति से जी सके। धन आ जाता है लेकिन अगर किसी अमीर से पूछ कर देखें कि शांति आ गई? तो वो यही कहेंगे कि सबकुछ है लेकिन यही नहीं है। तो सुख की चाहना में कितने भौतिक साधन अपना लिए हैं। सुख सुविधाओं को अपना लिया लेकिन उसके बावजूद भी सुख नहीं आया। सारे भौतिक सुख-सुविधा के साधनों के बीच में होते हुए भी मन परेशान है।

आत्मा की ऑरिज़नल आइडेंटिटी सुख स्वरूप, शांत स्वरूप, प्रेम स्वरूप, पवित्र स्वरूप, ज्ञान स्वरूप है। और जहाँ ये पाँचों चीज़ें हैं वहाँ जीवन की सर्वोच्च प्राप्ति है। आनंद है आत्मा को कहा ही जाता है सत् चित् आनंद स्वरूप, आत्मा का सत्य स्वरूप उसकी चैतन्यता की अभिव्यक्ति आनंद से है। लेकिन आज आनंद तो छोड़ो उसका फर्स्ट स्टैप खुशी वो भी कहाँ है! खुशी का अनुभव करने के लिए भी लोगों को लाफिंग क्लब ज्वाइन करना पड़ता है। क्लब में जाकर हँसना पड़ता है। घर में आते हैं तो फिर वो खुशी गायब।

घर में अगर गलती से व्यक्ति को कोई बात याद आ जाये और वो मुस्कुराने लगे तो उससे पहले तो घर वाले ही पूछते हैं क्या बात है आज इतना खुश नज़र आ रहे हो? और अगर वो व्यक्ति डिस्क्लोज़ करना न चाहे और कह दे बस ऐसे ही खुश नहीं हो सकते क्या? तो घर वाले कहते हैं कि दिमाग ठीक है? तो आज ये हालत हो गई है। आज व्यक्ति ऑफिस में जाता है मुस्कुराता हुआ चेहरा लेकर तो सब इशारा करने लग जाते हैं कि क्या बात है, आज तो बड़ा खुश है। जो काम करवाना है करवा लो। लोग एडवांटेज लेना चाहते हैं

> ये सात गुण आत्मा की वास्तविकता है जब उस कॉन्शियसनेस में हम रहते हैं तो जैसे कम्पलीट हो जाते हैं। जैसे उसकी अभिव्यक्ति हमारे जीवन में होने लगती है वो वायब्रेशन्स, वो औरा इस तरह से क्रियेट होने लगता है जिसमें हम कम्फर्टेबल महसूस करते हैं।

इसलिए भी व्यक्ति टाइट होकर जाता है। खुशी में रहना चाहता है लेकिन खुश रह नहीं पाता है। कितनी जगह एंटरटेनमेंट के लिए जाता है कि कहीं से थोड़ी घड़ियों के लिए खुशी मिल जाए! लेकिन कभी-कभी एंटरटेनमेंट के लिए गए, हॉलिडे के लिए गए और वहाँ ज़रा ईगो क्लैश हो गया, झगड़ा हो गया सारा मज़ा ही किरकिरा हो गया, वापिस आ जाते हैं। वो इफेक्ट कितने दिन तक रहता है।

जहाँ ये छः शक्ति हैं वहाँ आत्म शक्ति है(विल पावर)। आज विल पावर तो छोड़ो कॉन्फिडेंस लेवल ही खत्म होता जा रहा है। एक बच्चा स्कूल में जाता है एग्ज़ाम जैसे ही सामने आता है पेपर सबकुछ भूल जाता है। नर्वस हो जाता है। कॉन्फिडेंस लेवल खत्म हो जाता है। ऐसा क्यों हो रहा है? क्योंकि ये छः गुण नहीं हैं, ये छः शक्ति हैं। ज्ञान की शक्ति, प्रेम की शक्ति, पवित्रता की शक्ति, शांति की शक्ति, सुख की शक्ति ये सब शक्तियां हैं और जब ये सारी शक्तियां हैं तो आत्म में शक्ति है, विल पावर है। तो ये सात गुण ये आत्मा की वास्तविकता है। इसीलिए कहा अपने आप को जानो, अपने आप को पहचानो। लेकिन हम अपने आपको जान ही नहीं पाये। और इसीलिए कभी-कभी मनुष्य जीवन में सोचता है कुछ मिसिंग है। सबकुछ है लेकिन फिर भी ऐसा लगता है कि कुछ मिसिंग है।

ये सात गुण आत्मा की वास्तविकता है जब उस कॉन्शियसनेस में हम रहते हैं तो जैसे कम्पलीट हो जाते हैं। जैसे उसकी अभिव्यक्ति हमारे जीवन में होने लगती है वो वायब्रेशन्स, वो औरा इस तरह से क्रियेट होने लगता है जिसमें हम कम्फर्टेबल महसूस करते हैं। जैसे नकारात्मक वातावरण में चले जायें तो वहाँ कभी कम्फर्टेबल फील नहीं करते हैं क्यों, क्योंकि आत्मा की ऑरिज़नल आइडेंटिटी से विरुद्ध विकृत दिशा में है तो कैसे कम्फर्टेबल महसूस करेंगे! इसीलिए हमारे जीवन में मेडिटेशन माना अपनी वास्तविकता की तरफ जाने की एक यात्रा इसकी बहुत आवश्यकता है। क्योंकि मेडिटेशन के द्वारा ही हमारा जो ओरिज़नल स्वरूप, ये सात गुण हम अपनी आत्मा के अन्दर शक्ति के रूप में अनुभव कर सकते हैं। जिसे विल पावर भी कहते हैं। और आज इसीलिए मनुष्य ने उसे अनुभव करना चाहा। क्योंकि यही हमारी वास्तविकता है।

न्यू यॉर्क-यू.एस.ए.। मेन्टल हेल्थ अवेयरनेस मंथ के अंतर्गत यूनाइटेड नेशन्स के इंटरनेशनल डे ऑफ योगा कमेटी(ब्रह्माकुमारीज़ इसके वाइस चेयर हैं) द्वारा 'प्रिन्सीपल्स, प्रैक्टिसेज़ एंड इफेक्ट्स ऑफ योगा ऑन द इंटेग्रल बीइंग' विषय पर आयोजित ऑनलाइन कार्यक्रम में ब्र.कु. गायत्री नारायणे,रीप्रेज़ेन्टेटिव ऑफ द ब्रह्माकुमारीज़,यूनाइटेड नेशन्स ने राजयोगा व इसके प्रभाव पर प्रकाश डाला।

नेपाल-वीरगंज। विश्व पर्यावरण दिवस पर विर्ता के ओम शांति भवन व छपकैया स्थित विश्व दर्शन भवन के कम्पाउण्ड तथा ब्रह्माकुमारीज़ वीरगंज के व्यवस्थापन में निर्माणाधीन पिलुवा शांति उद्यान व आध्यात्मिक प्रशिक्षण केन्द्र परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्रीय संचालिका ब्र.कु. रवीना दीदी, छपकैया सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. बेली बहन, डुमरवाना बहुमुखी कैम्पस प्रमुख राधेश्याम सिवाकोटी, वार्ड सदस्य तुलसा मैनाली, शिक्षक अनिल मैनाली, पीस पार्क निर्माण समिति के अध्यक्ष भीम प्रसाद रिमाल, पत्रकार पुष्प खतिवडा आदि गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

ओम शान्ति मीडिया सदस्यता हेतु सम्पर्क करें....

कार्यालय - ओम शान्ति मीडिया

संपादक - ब्र.कु. गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी,
पोस्ट बॉक्स न - 5, आबू रोड (राज.) 307510
सम्पर्क- M- 9414006096, 9414182088,
Email-omshantimedia@bkivv.org

सदस्यता शुल्क : भारत - वार्षिक 200 रूपये, तीन वर्ष 600 रूपये,
आजीवन 4500 रूपये। विदेश - 2500 रूपये (वार्षिक)
कृपया सदस्यता शुल्क 'ओम शान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या
बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शांतिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।